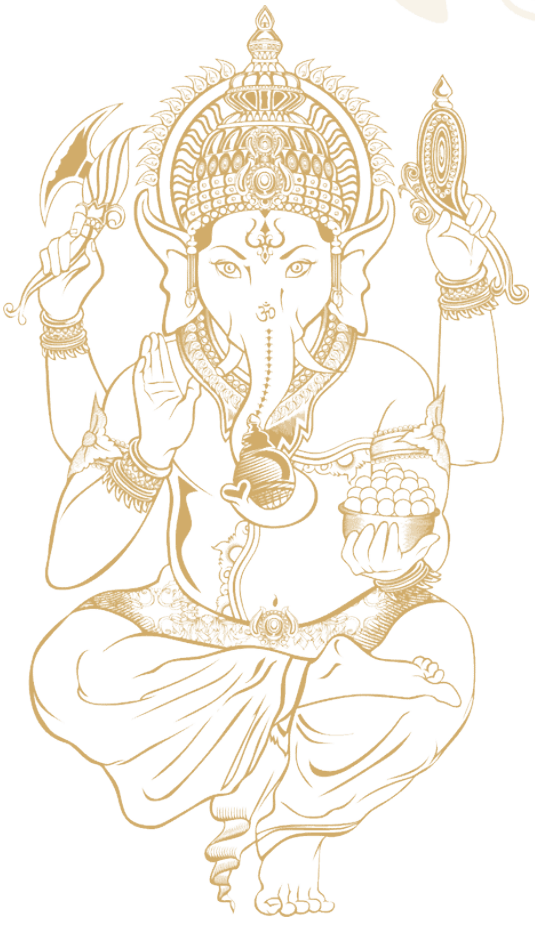

Mr.sankalp

Vanshika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120187802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/06/2000	जन्म तिथि	28/05/2001
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:17:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 52:21:30	जन्म समय(घटी)	24:56:13 घटी
India	देश	India
Etawah	स्थान	Dewas
26:46:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
79:02:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:52	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:24	सूर्योदय	05:40:57
19:04:01	सूर्यास्त	19:05:24
23:51:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 9मा 9दि		23:18:25	मीन	लग्न	कन्या	24:04:35	बुध 8वर्ष 8मा 6दि	
गुरु		18:44:21	वृष	सूर्य	वृष	13:15:39	शुक्र	
13/03/2025		23:45:33	वृष	चंद्र	कर्क	23:11:18	02/02/2017	
13/03/2041		26:54:50	वृष	मंगल व	धनु	03:24:53	02/02/2037	
गुरु	01/05/2027	11:25:33	मिथु	बुध	मिथु	04:18:13	शुक्र	04/06/2020
शनि	12/11/2029	00:04:11	वृष	गुरु	वृष	25:42:14	सूर्य	04/06/2021
बुध	18/02/2032	16:24:35	वृष	शुक्र	मीन	27:55:44	चन्द्र	03/02/2023
केतु	23/01/2033	29:30:49	मेष	शनि	वृष	10:51:46	मंगल	04/04/2024
शुक्र	24/09/2035	01:24:59	कर्क व	राहु	मिथु	12:46:17	राहु	04/04/2027
सूर्य	13/07/2036	01:24:59	मक व	केतु	धनु	12:46:17	गुरु	03/12/2029
चन्द्र	12/11/2037	26:56:12	मक व	हर्ष	कुंभ	00:57:55	शनि	02/02/2033
मंगल	19/10/2038	12:32:42	मक व	नेप व	मक	14:49:28	बुध	04/12/2035
राहु	13/03/2041	17:39:07	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:14:25	केतु	02/02/2037

लग्न-चलित

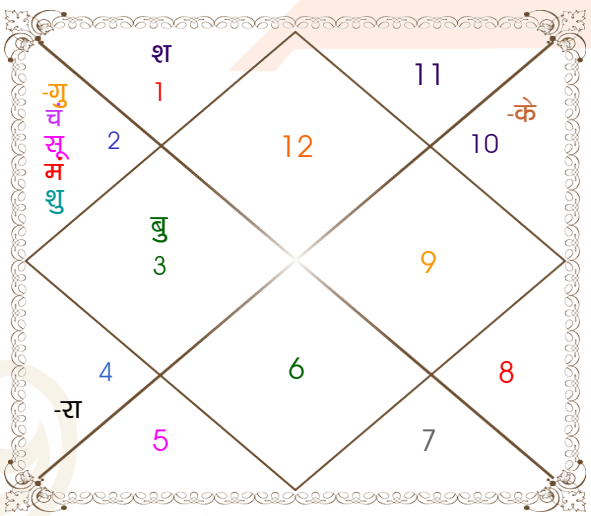

लग्न-चलित

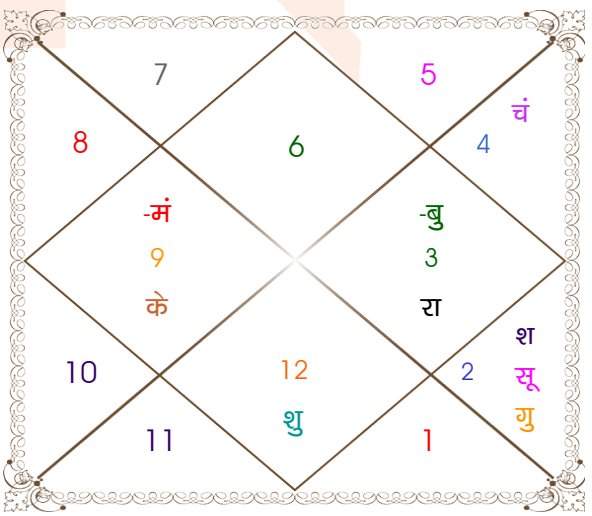

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Mr.sankalp का वर्ग मृग है तथा टंदीपां का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.sankalp और टंदीपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.sankalp मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

टंदीपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.sankalp कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.sankalp तथा टंदीपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।